AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

उच्च उपलब्धि प्राप्त निजी विद्यालय व सरकारी विद्यालयों का वैयक्तिक अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Author

डॉ. जगदम्बा सिंह,

प्राचार्य,

एलिट पब्लिक बी.एड. कॉलेज

चियांकी, डालटनगंज, झारखण्ड, भारत

शोध सार

शिक्षा अंधकार से प्रकाश की ओर मानव यात्रा का नाम है। शिक्षा मानव जगत की धरोहर है जिससे समाज के विकास की सही दिशा निर्धारित की जाती है। शिक्षा मनुष्य में आत्म वि वास उत्पन्न करने वाला एक प्रमुख कारक है। शिक्षा द्वारा मनुष्य के अन्तः चक्षु खुलते है उसे आंतरिक और अलौकिक प्रकाश मिलता है। जिस प्रकार सभी वस्तुओं को देखने के लिए चक्षु की आवश्यकता होती है उसी प्रकार सभी दृश्य और अदृश्य वस्तुओं और घटनाओं को समझने मे ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रायः यह देखा जाता है कि प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने के लिए युवाओं में आत्मविश्वास का गुण होना चाहिए चाहे खेल हो, शिक्षा हो या अन्य कोई क्षेत्र। जिन व्यक्तियों का आत्मविश्वास कम होता है उन्हे असफलता का सामना करना पड़ता हैं, उनका शैक्षिक उपलब्धि भी कम पाया जाता है। जिन छात्रों का आत्मविश्वास से भरपूर होता है वे जीवन के हर क्षेत्र में अच्छे मुकाम हासिल करते है चाहे पढ़ाई का क्षेत्र ही क्यो न हो। शैक्षिक उपलब्धि का तात्पर्य विद्यालय विषयो में अर्जित ज्ञान या विकसित कौशल का शिक्षक द्वारा परीक्षा प्राप्तांकों या अंको द्वारा निर्दिष्ट करने से है। विद्यार्थियों ने किस सीमा तक अपनी योग्यता का विकास किया है उसका आंकिक रूप से प्रस्तुतीकरण ही उनकी उपलब्धि का सूचक है चाहे वे निजी विद्यालय के छात्र हो या सरकारी विद्यालय के।

मुख्य शब्द

उपलब्धि, निजी विद्यालय, सरकारी विद्यालय, वैयक्तिक अध्ययन।

प्रस्तावना

भारत के भाग्य का निर्माण भारत की कक्षाओं में होता है इससे यह आभास होता है कि विद्यालय एवं शिक्षकों का उत्तदायित्व कितना बढ़ जाता है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपने विद्यालय विषयाध्यापकों को प्रशिक्षण करना, नियमित निरीक्षण कर निदानात्मक उपचार करना अत्यन्त आवश्यक हैं। आज शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यालयी वातावरण का अच्छा होना आवश्यक है अन्यथा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना संभव नही है। विद्यालय वातावरण बहुआयामी सम्प्रत्यय है इसकी सहायता से हम ज्ञात कर सकते है कि विद्यालय किस प्रकार भिन्नता लिए हुए है तथा ऐसे कौन से कारक है जो विद्यालय की प्रभावशीलता को प्रभवित करते है।

आज के आधुनिक और वैज्ञानिक युग में ज्ञान का महत्व बढ़ता जा रहा है। उसकी संतुष्टि अच्छे परीक्षा परिणामों पर निर्भर करती है। परीक्षा परिणामों की निर्भरता न केवल विद्यार्थियों के शैक्षिक पक्षों अपितु अन्य पक्षों जिसमे सहशैक्षिक एवं भौतिक पक्ष घर, परिवार, विद्यालय वातावरण, शिक्षक, छात्र, प्रधानाध्यापक, स्थानीय जनसमुदाय व शिक्षा पदाधिकारियों का भी प्रभाव पड़ता है। इससे छात्रों की बौद्धिक क्षमता का अधिक से आधिक विकास होगा समाज एवं राष्ट्र के लिए हितकर है। अगर ऐसी परिस्थितियों में किसी विद्यालय के परीक्षा परिणाम चाहे वे सरकारी विद्यालय व निजी विद्यालय क्यो न हो छात्रों की उपलब्धि विशेषकर शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते है। अतः एक अच्छे विद्यालय का विद्यालय वातावरण में विद्यालय के सभी संसाधन सामंजस्य बैठाकर कार्य करते है। विद्यालय में भौतिक संसाधनों का अभाव नही रहता तथा मानवीय संसाधन जैसे प्राचार्य, अध्यापक, विद्यार्थियों व कर्मचारियों, अभिभावको तथा समुदाय मे पर्याप्त अन्तः क्रिया रहती है। भारत में कुछ दशको से शिक्षा का मात्रात्मक विकास हो रहा है परन्तु उसके गुणात्मक विकास की ओर ध्यान कम दिया जा रहा है लेकिन कुछ विद्यालय ऐसे है जिसमें गुणात्मक विकास की ओर ध्यान दिया जा रहा है।

अभिभावको की सदैव यह इच्छा रहती है कि उनके बच्चे उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करे। यह अभिलाषा बालक तथा माता–पिता तक ही सीमित नही रहता बल्कि प्राचार्य अध्यापक, विद्यालय का वातावरण तथा साधन संसाधन तथा शैक्षिणिक व्यवस्था पर भी निर्भर करता है। आज के आधुनिक व विज्ञान के युग में ज्ञान का महत्व बढ़ता जा रहा है, शिक्षा का जुड़ाव समाज से ही नही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिलने लगा है। बालक, शिक्षक, विद्यालय तथा अभिभावक की सन्तुष्टि अच्छे परिणामों पर निर्भर रहती है। सम्पूर्ण शिक्षा बालको का ही नही समाज का सर्वांगीण विकास करती रही और यह आवश्यक भी है। व्यक्ति और समाज के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश काल में बदलाव के साथ शिक्षा की भूमिका और स्वरूप में अनेक परिवर्तन होते रहे है।

शोध उद्देश्य

शोध उद्देश्य अनुसंधान कार्य की दशा एवं दिशा तय करने में महती भूमिका निभाते है तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश प्रदान कर उसे प्रेरित करने का कार्य भी करता है।

उच्च उपलब्धि प्राप्त सरकारी व निजी विद्यालय के निम्न कारको का अध्ययन करनाः

1. चयनित उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालयों की पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।
2. चयनित उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. चयनित उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालयों के भौतिक तथा मानवीय संसाधनों का अध्ययन करना।

शोध समस्या का परिसीमन

प्रस्तुत शोध मे पलामू संभाग के एक निजी विद्यालय तथा एक सरकारी विद्यालय को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वैयक्तिक अध्ययन विधि को चुना गया है।

सांख्यिकी प्रविधि

प्रस्तुत शोध हेतु दत्तो के विश्लेषण के लिए प्रतिशत विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध उपकरण

शोध अध्ययन हेतु उपकरण के रूप के प्रश्नावली (प्रतिपुष्टि हेतु) का सहारा लिया गया है।

न्यादर्श

राजकीय +2 माध्यमिक विद्यालय मेदिनीनगर (उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालय)	एलीट पब्लिक स्कूल, चियॉकी (उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालय)

न्यादर्श सारणी

चर	सरकारी विद्यालय	निजी विद्यालय	कुल
प्राचार्य	01	01	02
अध्यापक	12	12	24
छात्र	50	50	100
अभिभावक	30	30	60
कुल न्यादर्श	**93**	**93**	**180**

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

विश्लेषण एवं व्याख्या

उच्च उपलब्धि प्राप्त राजकीय +2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेदिनीनगर

सारणी संख्या 1.1: मानवीय संसाधनो का अध्ययन

मानवीय संसाधनो का नाम	उपलब्ध संख्या
छात्रो की संख्या	1200
प्रधानाध्यापक	01
अध्यापक	27
कम्प्यूटर शिक्षक	01
शारीरिक शिक्षक	01
सहायक कर्मचारी	02
पुस्तकालय अध्यक्ष	00
कनिष्ठ लिपिक	01

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्या

सारणी सं. 1.1 के अनुसार उच्च उपलब्धि के मानवीय +2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेदिनीनगर के मानवीय संसाधनो का अध्ययन करने पर पाया गया कि विद्यालय में साधन सम्पन्न तो है पर पूर्ण रूप से नही हैं। यहाँ पुस्तकालय अध्यक्ष व सहयोगी कर्मचारी का अभाव हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि मे मानवीय संसाधनो का पर्याप्त मात्रा मे होना उपयोगी सिद्ध हुआ।

भौतिक संसाधनो का अध्ययन करने पर पाया गया कि इस विद्यालय में संबंधित विषय प्रयोगशाला कक्षा–कक्षों का अभाव पाया गया तथा पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में पुस्तके उपलब्ध नहीं है, वाचनालय कक्ष भी नही पाया गया व खेल का मैदान उपलब्ध पाया गया।

भौतिक संसाधनो में अन्य संसाधन भी है जो विद्यालय की आवश्यक सूची में आते है, पानी, बिजली, RO युक्त पानी की व्यवस्था, आदि उपलब्ध है।

सारणी संख्या 1.2: उच्च उपलब्धि प्राप्त एलीट पब्लिक स्कूल के भौतिक एवं मानवीय संसाधन

छात्रो की संख्या	900
प्रधानाध्यापक	01
अध्यापक	200
कक्षा–कक्ष	11
खेल का मैदान	01

प्रयोगशाला कक्ष	01
पुस्तकालय कक्ष	01
सभागार	01
वाचनालय	01

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

व्याख्या

सारणी सं. 1.2 के अनुसार देखा गया कि उच्च उपलब्धि प्राप्त एलीट पब्लिक स्कूल मे जहाँ छात्रों की संख्या 900 है उसके अनुपात मे शिक्षक कम है, सभी प्रकार के भौतिक संसाधनो की उपलब्धता है। बिजली की व्यवस्था हेतु सौर उर्जा की व्यवस्था, RO युक्त पेय जल,वाई–फाई युक्त परिसर, स्मार्ट क्लास रूम की अतिरिक्त व्यवस्था अवलोकन में पाया गया। वही पुस्तकालय में पुस्तको की संख्या पर्याप्त मात्रा मे पाया गया। इस तरह से स्पष्ट होता है कि विद्यालय के छात्रों की उच्च शैक्षिक उपलब्धि में मानवीय संसाधनों के साथ–साथ भौतिक संसांधनो की उपयोगिता पायी गई।

छात्रों का सर्वांगीण विकास हेतु विविध गतिवधियों का आयोजन किया जाता है जिससे शैक्षिक व सह शैक्षणिक गतिविधियाँ दोनो प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्रो की शैक्षिक व सह शैक्षिणिक गतिविधियाँ दोनो प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन वार्षिक परीक्षा परिणाम के प्राप्तांक प्रतिशत के आधार पर निजी विद्यालय परिणाम का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित परिणाम पाए गयेः

वर्ष 2016	वर्ष 2017	वर्ष 2018
98 प्रतिशत	99 प्रतिशत	97 प्रतिशत

उच्च उपलब्धि पर राजकीय +2 उच्च विद्यालय मेदिनीनगर के गत तीन वर्षो का परीक्षा परिणाम का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए।

वर्ष 2016	वर्ष 2017	वर्ष 2018
95 प्रतिशत	94 प्रतिशत	96 प्रतिशत

शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले आयाम

शिक्षा मनुष्य के जीवन को सार्थक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का निर्धारण तथा उसकी अध्ययन आदतों एवं उसे प्राप्त होने वाले अभिभावकीय प्रोत्साहन से होता है इसके लिए अन्य कारक भी उत्तरदायी होते है जैसे मनोवैज्ञानिक,राजनैतिक,आर्थिक,सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी वातावरण, योग्य अध्यापक आदि। वर्तमान समय मे विश्व अधिक प्रतियोगी हो गया है। प्रत्येक विद्यालय का छात्र से तथा अभिभावक का अपनी संतान से यह अपेक्षा बढ़ गयी है कि वह सफलता की चरम सीमा पर पहुँचे परन्तु उपलब्धि उच्च स्तर की इच्छा, बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों पर तथा विद्यालय पर एक दबाव का निर्माण करती है। आज की शिक्षा प्रणाली

पूर्ण रूप से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर ही केन्द्रित हो गयी है। उच्च उपलब्धि प्राप्त करने के लिए विद्यालय, विद्यार्थी व अभिभावकों को कठिन मेहनत व प्रयास करना पड़ता है। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि किसी एक कारण से निर्देशित नही होता बल्कि कई ऐसे कारक है जिनसे छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है। इन कारको में व्यक्तित्व, बुद्धि, पारिवारिक पृष्ठभूमि, लिंग, आयु आधिगम शैली, अध्ययन विधियाँ आदि भी सम्मिलित है।

निष्कर्ष

उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की ओर सम्पूर्ण ध्यान दिया जाता है जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक दोनो विकास ठीक से हो सके और वे प्रत्येक क्षेत्र उच्च उपलब्धि प्राप्त कर सके। विद्यार्थी केवल स्थानीय स्तर पर ही नही राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रतिनिधित्व कर सके। अतः विद्यार्थी के पूर्ण विकास के लिए सहशैक्षिक गतिविधि का विद्यालय मे होना अति आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. सिंह ए निरंजन कुमार, माध्यमिक विद्यायालो में हिंदी शिक्षण राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. कपिल, एच.के. (1995) अनुसंधान विधियाँ, भार्गव पुस्तक भवन, आगरा।
3. अन्वेषिका (2015) अध्यापक शिक्षा की शोधपत्तिका NCTE, नई दिल्ली।
4. जगदम्बा सिंह (2018) माध्यामिक शालाओं के ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों का इतिहास विषय से संबंधित शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
5. शर्मा, के.के (2005) *शिक्षा शब्दकोश,* स्वाती पब्लिकेशस, जयपुर।

——==00==——